



दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

विषय

डिजिटल पत्रकारिता एवं तकनीकी नवाचार:
बदलते परिप्रेक्ष्य में पत्रकारिता के मूल्य एवं स्वरूप

दिनांक

26 एवं 27 अक्टूबर, 2026

आयोजक

डिजिटल मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान केंद्र
गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान (GBPSSI)
झूंसी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

सहयोग में

उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ



संकल्पना-पत्र

1. परिचय

डिजिटल प्रौद्योगिकियों के तीव्र विस्तार ने पत्रकारिता की प्रकृति और कार्यप्रणाली को व्यापक रूप से परिवर्तित किया है। पत्रकारिता, सोशल मीडिया, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब, मोबाइल पत्रकारिता तथा अन्य डिजिटल मंचों ने सूचना के प्रसार को अधिक तीव्र, संवादात्मक और सहभागी बनाया है। डिजिटल मीडिया ने समाचार-निर्माण में नागरिकों की भागीदारी को भी बढ़ाया है तथा विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषाई और क्षेत्रीय समूहों की आवाजों को व्यापक मंच प्रदान किया है।

हालाँकि, इस परिवर्तन ने कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ भी उत्पन्न की हैं। मिथ्या सूचना, दुष्प्रचार, अफवाहों तथा अप्रमाणित सामग्री के तीव्र प्रसार ने पत्रकारिता की सटीकता, विश्वसनीयता और जवाबदेही को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। पेशेवर पत्रकारिता, विचार, मनोरंजन और उपयोगकर्ता-निर्मित सामग्री के बीच की सीमाएँ लगातार धुंधली होती जा रही हैं। इसके साथ ही, एल्गोरिद्म, डेटा और डिजिटल प्लेटफॉर्म की संरचनाएँ समाचारों की दृश्यता तथा उनके उपभोग को प्रभावित कर सकती हैं। इससे इको चेंबर, फिल्टर बबल और एल्गोरिद्मिक पक्षपात जैसी चिंताएँ सामने आई हैं।

इसी समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डेटा पत्रकारिता, स्वचालित समाचार-निर्माण और डीपफेक तकनीक पत्रकारिता में नवाचार के नए अवसर प्रदान कर रही हैं, लेकिन इनके साथ प्रामाणिकता, निजता, कॉपीराइट, पारदर्शिता और पेशेवर उत्तरदायित्व से जुड़े नए प्रश्न भी उत्पन्न हुए हैं। इन्हीं परिस्थितियों की पृष्ठभूमि में प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन डिजिटल पत्रकारिता के बदलते तकनीकी, सामाजिक, नैतिक और लोकतांत्रिक आयामों का आलोचनात्मक अध्ययन करेगा। सम्मेलन में पत्रकारों, मीडिया पेशेवरों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों तथा प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर उभरती प्रवृत्तियों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

सम्मेलन विशेष रूप से इस बात पर विचार करेगा कि पत्रकारिता तकनीकी परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को किस प्रकार विकसित करे तथा साथ ही सत्य, सटीकता, स्वतंत्रता, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित जैसे अपने मूल मूल्यों को कैसे बनाए रखे।

2. सम्मेलन की प्रासंगिकता

डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने पत्रकारिता को अधिक सुलभ, सहभागी और संवादात्मक बनाया है तथा विविध एवं क्षेत्रीय आवाजों को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने का अवसर दिया है। हिंदी तथा क्षेत्रीय भाषाओं की डिजिटल पत्रकारिता के विस्तार ने इस पहुँच को और व्यापक बनाया है।

हालाँकि, डिजिटल परिवर्तन के साथ मिथ्या सूचना, अफवाह, क्लिक-आधारित सामग्री, एल्गोरिद्मिक प्रभाव, घृणास्पद भाषण, ऑनलाइन उत्पीड़न और पत्रकारिता में घटते विश्वास जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं।

दर्शकों की भूमिका भी बदल रही है। वे अब केवल समाचारों के उपभोक्ता नहीं हैं, बल्कि समाचारों के निर्माता और प्रसारक भी बन रहे हैं। इससे समाचारों के सत्यापन, पेशेवर मानकों और पत्रकारिता संबंधी उत्तरदायित्व से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न उत्पन्न हुए हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा पत्रकारिता और डीपफेक जैसी उभरती प्रौद्योगिकियाँ नए अवसर प्रदान करती हैं, लेकिन इनके साथ पारदर्शिता, पक्षपात, निजता, कॉपीराइट और जवाबदेही जैसी चिंताएँ भी जुड़ी हैं।

इसलिए सम्मेलन का उद्देश्य यह विचार करना है कि पत्रकारिता तकनीकी परिवर्तन के अनुरूप किस प्रकार विकसित हो सकती है तथा सटीकता, विश्वसनीयता, नैतिकता, स्वतंत्रता, जवाबदेही और जनहित जैसे अपने मूल मूल्यों को किस प्रकार संरक्षित कर सकती है।

3. सम्मेलन के उद्देश्य

सम्मेलन के प्रमुख उद्देश्य हैं:

- पत्रकारिता की बदलती प्रकृति एवं कार्यप्रणाली तथा समाचारों के उत्पादन, वितरण और उपभोग पर तकनीकी नवाचार के प्रभाव का अध्ययन करना।
- सार्वजनिक विमर्श और सूचना के उपभोग को प्रभावित करने में सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म, एल्गोरिद्म और डेटा की भूमिका का विश्लेषण करना।
- मिथ्या सूचना, दुष्प्रचार, अफवाह, डीपफेक और डिजिटल पत्रकारिता की विश्वसनीयता से संबंधित चुनौतियों का अध्ययन करना।
- निजता, डेटा संरक्षण, कॉपीराइट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पारदर्शिता और पत्रकारिता की जवाबदेही सहित उभरते नैतिक मुद्दों का अध्ययन करना।
- पत्रकारों, मीडिया पेशेवरों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के बीच संवाद के माध्यम से विश्वसनीय, उत्तरदायी और सामाजिक रूप से संवेदनशील डिजिटल मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र के विकास हेतु अकादमिक एवं नीतिगत दृष्टिकोण विकसित करना।

4. विषय-वस्तु

मुख्य विषय

डिजिटल पत्रकारिता एवं तकनीकी नवाचार: बदलते परिप्रेक्ष्य में पत्रकारिता के मूल्य एवं स्वरूप

4.1 उप-विषय -

डिजिटल पत्रकारिता: अवधारणा, विकास और पारिस्थितिकी तंत्र

- प्रिंट से डिजिटल मीडिया तक पत्रकारिता का विकास
- ई-पत्रकारिता और मोबाइल पत्रकारिता
- मल्टीमीडिया एवं इमर्सिव स्टोरीटेलिंग
- समाचार उत्पादन, वितरण एवं उपभोग के बदलते स्वरूप
- प्लेटफॉर्म-आधारित पत्रकारिता एवं पारंपरिक मीडिया
- सोशल मीडिया एवं वैकल्पिक मीडिया प्लेटफॉर्म
- पॉडकास्ट, यूट्यूब, ब्लॉग एवं उभरते डिजिटल प्रारूप
- इन्फ्लुएंसर संस्कृति और बदलता समाचार पारिस्थितिकी तंत्र
- हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं की डिजिटल पत्रकारिता
- नागरिक पत्रकारिता एवं उपयोगकर्ता-निर्मित सामग्री

पत्रकारिता में प्रौद्योगिकी एवं नवाचार

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और पत्रकारिता
- जनरेटिव AI एवं समाचार उत्पादन
- स्वचालित पत्रकारिता
- डेटा पत्रकारिता एवं डेटा विजुअलाइज़ेशन
- खोजी पत्रकारिता के लिए डिजिटल उपकरण
- वर्चुअल एवं ऑगमेंटेड रियलिटी
- डीपफेक तकनीक एवं सिंथेटिक मीडिया
- उभरती प्रौद्योगिकियाँ एवं पत्रकारिता की कार्यप्रणाली
- तकनीकी नवाचार के अवसर एवं जोखिम

एल्गोरिदम, विचारधारा एवं सूचना नियंत्रण

- मीडिया आख्यान, फ्रेमिंग एवं एजेंडा-सेटिंग
- डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्र एवं वैकल्पिक विमर्श
- एल्गोरिदम एवं सूचना की दृश्यता
- डेटा-आधारित मीडिया एवं प्लेटफॉर्म की शक्ति
- इको चैंबर एवं फिल्टर बबल
- एल्गोरिदमिक पक्षपात
- वैयक्तिकरण एवं समाचार उपभोग
- प्लेटफॉर्म शासन एवं सामग्री मॉडरेशन
- पत्रकारिता का डेटा-आधारित रूपांतरण

सत्य, विश्वास एवं मीडिया की विश्वसनीयता

- फेक न्यूज़, मिथ्या सूचना एवं दुष्प्रचार
- डिजिटल युग में अफवाहें
- पोस्ट-ट्रुथ एवं समकालीन संचार
- पत्रकारिता में विश्वास का संकट
- तथ्य-जाँच एवं सत्यापन तंत्र
- डिजिटल स्रोतों का सत्यापन
- डीपफेक एवं सत्य निर्धारण की चुनौती
- डिजिटल पत्रकारिता में विश्वसनीयता एवं जनविश्वास का निर्माण
- जनरेटिव AI के युग में सत्यापन

नैतिकता, जवाबदेही एवं सामाजिक उत्तरदायित्व

- डिजिटल पत्रकारिता की नैतिकता
- पत्रकारिता आचार-संहिता
- सटीकता, निष्पक्षता एवं तटस्थता
- निजता, डेटा संरक्षण एवं सूचित सहमति
- कॉपीराइट एवं बौद्धिक संपदा
- घृणास्पद भाषण एवं ऑनलाइन उत्पीड़न
- लैंगिक आधार पर डिजिटल हिंसा
- साइबरबुलिंग एवं ऑनलाइन सुरक्षा
- AI-निर्मित सामग्री की नैतिक चुनौतियाँ
- डिजिटल मीडिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही

पत्रकारिता, लोकतंत्र एवं नागरिकता

- नागरिक पत्रकारिता एवं लोकतांत्रिक भागीदारी
- डिजिटल नागरिकता एवं मीडिया साक्षरता
- युवा एवं डिजिटल मीडिया
- डिजिटल सक्रियता एवं नेटवर्क आधारित जनसमुदाय
- सोशल मीडिया एवं सार्वजनिक संचार
- मीडिया स्वतंत्रता एवं जनहित
- मीडिया का कॉर्पोरेट स्वामित्व एवं व्यावसायीकरण
- विज्ञापन एवं क्लिक अर्थव्यवस्था
- पत्रकारिता एवं सामाजिक समावेशन
- हाशिए पर स्थित समुदायों का प्रतिनिधित्व
- डिजिटल मीडिया एवं लोकतांत्रिक भागीदारी

पत्रकारिता, लोकतंत्र और भारतीय सिनेमा

- पत्रकारिता, लोकतंत्र और भारतीय सिनेमा
- सिनेमा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
- फिल्मों में मीडिया नैतिकता और पत्रकारिता के मूल्य
- फेक न्यूज़, मिथ्या सूचना और भारतीय सिनेमा
- डिजिटल पत्रकारिता और बदलते सिनेमाई आख्यान
- सिनेमा में लैंगिकता और महिला पत्रकारों का प्रतिनिधित्व
- भारतीय सिनेमा में जनजातीय, ग्रामीण और स्वदेशी आख्यान
- पत्रकारिता, सिनेमा और सांस्कृतिक पहचान
- लैंगिकता, हाशिए के समुदाय और प्रतिनिधित्व

5. श्वेत पत्र

सम्मेलन के सफल आयोजन के पश्चात अकादमिक विचार-विमर्श, विशेषज्ञ चर्चाओं, पैनल चर्चाओं तथा सम्मेलन में प्रस्तुत शोध-पत्रों के आधार पर “डिजिटल पत्रकारिता एवं तकनीकी नवाचार” विषय पर एक श्वेत पत्र तैयार किया जाएगा।

प्रस्तावित श्वेत पत्र में निम्नलिखित विषयों पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है:

- सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म का उत्तरदायी उपयोग
- मीडिया एवं डिजिटल साक्षरता
- तथ्य-जाँच एवं सूचना सत्यापन
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नैतिक उपयोग
- निजता एवं डेटा संरक्षण
- पारदर्शिता एवं जवाबदेही
- डिजिटल पत्रकारिता में पेशेवर मानक
- डिजिटल परिवेश में पत्रकारिता के मूल्यों का संरक्षण
- उत्तरदायी डिजिटल मीडिया शासन
- विश्वसनीय पत्रकारिता के लिए संस्थागत एवं पेशेवर तंत्र को सुदृढ़ करना

श्वेत पत्र को संबंधित हितधारकों के साथ साझा किया जा सकता है तथा डिजिटल मीडिया से संबंधित नीतियों, मानकों एवं नियामक तंत्र के विकास और सुदृढ़ीकरण हेतु संबंधित सरकारी संस्थाओं के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जा सकता है।

6. शोध-पत्र आमंत्रण

शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, पत्रकारों, मीडिया पेशेवरों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सम्मेलन के मुख्य विषय एवं उप-विषयों पर **मौलिक शोध-पत्र** प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

सारांश

शब्द सीमा: 300 शब्द

सारांश जमा करने की अंतिम तिथि: 15 अक्टूबर 2026 तक

पूर्ण शोध-पत्र

शब्द सीमा: 4 हजार से 5 हजार शब्द

पूर्ण शोध-पत्र जमा करने की अंतिम तिथि: 20 अक्टूबर 2026 तक

चयनित शोध-पत्रों को अकादमिक समीक्षा एवं संपादकीय आवश्यकताओं के अधीन संपादित पुस्तक/कार्यवाही ग्रंथ में प्रकाशन हेतु विचारार्थ लिया जा सकता है।



7. पंजीकरण विवरण

श्रेणी	पंजीकरण शुल्क
संकाय सदस्य/पेशेवर – बिना आवास	₹1,000/-
पीएच.डी. शोधार्थी/ विद्यार्थी – बिना आवास	₹500/-
आवास	भुगतान के आधार पर उपलब्ध
आवास शुल्क	- निकटतम होटल में कमरे भुगतान के आधार पर उपलब्ध होंगे। - परिसर में डॉर्मिटरी में साझा आधार पर ठहरने का शुल्क ₹500/- प्रति दिन होगा।

नोट: प्रतिभागियों को किसी भी प्रकार का टी.ए./डी.ए. प्रदान नहीं किया जाएगा।

पंजीकरण शुल्क के भुगतान हेतु बैंक विवरण:

Bank Name: Bank Of Baroda
Branch Name: Nyaynagar, Jhusi
A/C Name: Development and Research fund
A/C No: 86360100017333
IFSC Code: BARBODBNYAY

पंजीकरण हेतु Google Form लिंक:

<https://forms.gle/yJ4jbTrhZtS5JHs6A>

8. महत्वपूर्ण तिथियाँ

गतिविधि	तिथि
राष्ट्रीय सम्मेलन	26 एवं 27 अक्टूबर 2026
सारांश प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	15 अक्टूबर 2026 तक
पूर्ण शोध-पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	20 अक्टूबर 2026 तक

मुख्य संरक्षक



प्रो. कुमुद शर्मा
अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स
गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान
(GBPSSI)
झूंसी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

संरक्षक



प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह
निदेशक
गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान
(GBPSSI)
झूंसी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश



डॉ. अमिता दुबे
मुख्य संपादक
उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ



सम्मेलन समन्वयक

डॉ. सुभाष कुमार, सहायक आचार्य
डॉ. रेवा सिंह, प्लेसमेंट अधिकारी

अधिक जानकारी के लिए संपर्क

सम्मेलन समन्वयक

डॉ. सुभाष कुमार
मोबाइल: 9453876030

डॉ. रेवा सिंह
मोबाइल: 8707465141

श्री राहुल कुमार (पीएच.डी. शोधार्थी)
मोबाइल: 9208432286

आयोजन स्थल
गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान (GBPSSI)
झूंसी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश-211019

आयोजन समिति

- डॉ. अर्चना सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर
- डॉ. चंद्रैया गोपानी, एसोसिएट प्रोफेसर
- डॉ. समंता साहू, एसोसिएट प्रोफेसर
- डॉ. अंबुज शर्मा, सहायक आचार्य
- डॉ. मानिक कुमार, सहायक आचार्य
- डॉ. कमेई सैमसन, सहायक आचार्य
- डॉ. एम.डी. जुएल राणा, सहायक आचार्य
- श्री केशव किशोर उपाध्याय, प्रशासनिक अधिकारी



G. B. Pant Social Science Institute

Jhusi, Prayagraj - 211019, (U.P.) India

Phone : 0532-2569206 (Director)

E-mail : director@gbpssi.in

www.gbpssi.in